http://www.sgbauonline.com

B.Com. (Part—III) Examination

SANSKRIT (Compulsory)

(Languages)

Time : Two Hours] [Maximum Marks : 35

Note :—Write answers in the medium offered.

सूचना :—स्वीकृत माध्यमात उत्तरे लिहा.

सूचना :—स्वीकृत माध्यम में उत्तर लिखिए।

1. Translate any **TWO** of the following :— 10

कोणत्याही **दोन** श्लोकांचा अनुवाद करा :—

किन्हीं **दो** पद्यांशों का अनुवाद कीजिए :—

(i) नन्वेष त्वरितसुमन्त्रनुद्यमान-
प्रोद्वेल्लत्प्रजवितवाजिना रथेन।
उत्खातप्रचलितकोविदारकेतुः
श्रुत्वा नः प्रधनमुपैति चन्द्रकेतुः।।

(ii) दर्पेण कौतुकवता मयि बद्धलक्ष्यः
पश्चाद्बत्पैरनुसृतोऽयमुदीर्णधन्वा।
द्वेधासमुद्धतमरुत्तरत्पस्य धत्ते
मेघस्य माघवतचापधरस्य लक्ष्मीम्।।

http://www.sgbauonline.com

http://www.sgbauonline.com

(iii) एतास्मिन्मसृणितराजपट्टकान्ते
मोक्तव्याः कथामिव सायकाः शरीरे।
यत्प्राप्तौ मम परिरम्भणाभिलाषा-
दुन्मीलत्पुलककदम्बमङ्गमास्ते।।

2. Answer the following questions any **ONE** :— 10
खालील प्रश्नांचे उत्तर लिहा कोणतेही **एक** :—
निम्नलिखित में से किसी **एक** का उत्तर लिखिए :—

(i) Sketch the character of लव.
लवाचे स्वभावाचित्रण करा.
लव का स्वभावचित्रण कीजिए।

(ii) Write the conversation between चंद्रकेतु and सुमन्त्र.
चंद्रकेतु व सुमन्त्रातील संभाषण लिहा.
चंद्रकेतु और सुमन्त्र का संभाषण लिखिए।

3. Translate any **TWO** of the following :— 10
खालीलपैकी **दोन** श्लोकांचा अनुवाद करा :—
निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पद्यांशों का अनुवाद कीजिए :—

(i) हर्तुर्याति न गोचरं किमपि शं पुष्णाति यत्सर्वदा
ह्यर्थिभ्यः प्रतिपाद्यमानमनिशं प्राप्नोति वृद्धिं पराम्।
कल्पान्तेष्वपि न प्रयाति निधनं विद्याख्यमन्तर्धनं
येषां तान्प्रति मानमुज्झत नृपाः कस्तैः सह स्पर्धते।।

(ii) प्रीणाति यः सुचरितैः पितरं स पुत्रो
यद् भर्तुरेव हितमिच्छतितत्कलत्रम्।
तन्मित्रमापदि सुखे च समक्रियं य,
देवत्त्रयं जगति पुण्यकृतो लभन्ते।।

(iii) रे रे चातक ! सावधानमनसा मित्र क्षणं श्रूयता-
मम्भोदा बहवो वसन्ति गगने सर्वेऽपि नैतादृशाः।
केचिद् वृष्टिभिरार्द्रयन्ति वसुधां गर्जन्ति केचिद् वृथा
यं यं पश्यसि तस्य तस्य पुरतो मा ब्रूहि दीनं वचः।।

4. Recognise the forms any **FIVE** :— 5
रूपे ओळखा कोणतेही **पाच** :—
किन्हीं **पांच** के रूप पहचानिए :—

(1) पितृभिः
(2) मात्रे
(3) सर्वस्य
(4) सर्वाः
(5) अपठत्
(6) अकुप्यम्
(7) व्यचिन्तयामः
(8) असिञ्चन्.

http://www.sgbauonline.com